18वीं UIC विश्व सुरक्षा कॉन्ग्रेस

रेलवे सुरक्षा बल और **इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे (UIC)** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित **18वीं UIC विश्व सुरक्षा कॉन्ग्रेस** का समापन **जयपुर घोषणा** को अपनाने के साथ हुआ।

जयपुर घोषणा के प्रमुख बिंदु:

- **सुरक्षित रेल नेटवर्क:**
  - **इस घोषणापत्र में वर्ष 2025 तक एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और अफ्रीकी क्षेत्रीय असेम्बलियों को पूरी तरह से सक्रिय कर** विश्व भर में अधिक सुरक्षित रेल नेटवर्क प्रदान करने की दिशा में काम करने के लिये **UIC की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया है।**
- **नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना और RPF की भूमिका:**
  - इसमें **रेलवे सुरक्षा के लिये व्यापक समाधान विकसित करने** के लिये **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 5G**, **IoT** जैसी नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आह्वान किया गया।

इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे:

- **इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे** (**Union International Des Chemins- UIC)** अथवा) की **स्थापना वर्ष 1922** में हुई थी। इसका **मुख्यालय पेरिस** में है।
- यह **रेल परिवहन के अनुसंधान, विकास और प्रचार** के लिये रेलवे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला विश्वव्यापी पेशेवर संघ है।

रेलवे सुरक्षा बल:

- **परिचय:**
  - भारत में **रेलवे सुरक्षा** के क्षेत्र में RPF प्रमुख सुरक्षा और **कानून-प्रवर्तन संगठन** है।
  - वर्ष 1957 में एक संघीय बल के रूप में गठित **RPF रेलवे संपत्ति, यात्रियों एवं यात्रा क्षेत्रों की सुरक्षा के लिये उत्तरदायी होता है।**
  - RPF कर्मी राष्ट्र की सेवा करते हैं और टैगलाइन **"सेवा संकल्प"-"सेवा करने का वादा" के साथ** अपनी ड्यूटी दृढ़ता से पूरी करते हैं।
- **रेलवे सुरक्षा बल द्वारा निभाई गई भूमिका:**
  - **बच्चों को बचाने के लिये ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते** और तस्करों के चंगुल से महिलाओं और बच्चों को बचाने के लिये **ऑपरेशन आहट (AAHT)** जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से **RPF ने** भारत में **यात्री सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में असाधारण भूमिका निभाई है।**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/18th-uic-world-security-congress